नोटिस पढ़कर सुनाएगी वेबसाइट

■ एनबीटी सं, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने वेबसाइट में किए बदलाव, दृष्टिबाधितों के लिए की गई व्यवस्था

लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट अब नोटिस दिखाने के साथ ही पढ़कर भी सुनाएगी। ऐसे में अब दृष्टिबाधित छात्र भी एलयू की वेबसाइट का उपयोग कर सकेंगे। दरअसल विवि की ओर से वेबसाइट में कई बड़े बदलाव किए गए हैं। बुधवार को एलयू की ओर से वेबसाइट का नया वर्जन लॉन्च किया गया, हालांकि वेबसाइट का यूआरएल http://site.lkouniv.ac.in पुराना ही है। वेबसाइट के होमपेज पर स्क्रीन रीडर एक्सेस लिंक दिया गया है। इस पर क्लिक कर छात्रों को एक एप्लिकेशन डाउनलोड करनी होगी। इसके बाद एलयू की सभी नोटिस वेबसाइट पर सुनाई भी देंगी। एलयू शहर का पहला विवि है, जिसने दृष्टिबाधितों के लिए यह व्यवस्था की है।

एलयू के हरिकृष्णा अवस्थी हॉल में मीडिया से बातचीत में वीसी प्रो एसपी सिंह ने बताया वेबसाइट को पूरी तरह से यूजर फ्रेंडली बना दिया गया है। पुराने वर्जन में बेवजह के कई लिंक थे, जिन्हें हटा दिया गया है। एडमिशन संबंधी जानकारी जो पहले सिर्फ एडमिशन के समय ही अपलोड की जाती थी, अब वह हमेशा वेबसाइट पर मौजूद रहेगी। कितने कोर्स चलते हैं और उसमें कितनी सीटें हैं, यह सब ब्योरा अब वेबसाइट पर हमेशा रहेगा। इसके अलावा यूजीसी, यूपी गवर्नमेंट, उच्च शिक्षा विभाग समेत जितनी भी सरकारी वेबसाइट हैं, जो छात्रों के उपयोग की हैं, उनका भी लिंक वेबसाइट पर दिया गया है। इस मौके पर सभी डीन और फैकल्टी मौजूद रही।

बैठक में वीसी ने वेबसाइट में बदलाव की जानकारी दी।

अलग-अलग वेबसाइट से छुटकारा

एलयू में अब तक परीक्षा फॉर्म के लिए अलग वेबसाइट थी और एडमिशन के लिए अलग। इसे अब एक में ही जोड़ दिया गया है। अब मात्र एक ही वेबसाइट पर विवि की सारी सुविधाएं मुहैया होंगी। फिर चाहे परीक्षा फॉर्म भरना हो या रिजल्ट जानना। यह वेबसाइट इंडियन गवर्नमेंट वेब पोर्टल्स गाइडलाइन के मुताबिक तैयार की गई है।

नहीं चलेगी बहानेबाजी

कोई भी हंगामा होने पर छात्र का डेटा न मिलना एलयू के अधिकारियों का आम बहाना है। लेकिन वेबसाइट के नए वर्जन पर यह बहाना भी नहीं चलेगा क्योंकि छात्रों का पूरा डेटा अब वेबसाइट पर मौजूद रहेगा। इसे समय-समय पर अपडेट भी किया जाएगा। प्रॉक्टर से लेकर परीक्षा नियंत्रक तक इस पर डेटा देख व अपलोड कर सकेंगे। ऐसे में एक क्लिक पर किसी भी छात्र की जानकारी पाई जा सकेगी। साथ ही प्रॉक्टर व परीक्षा नियंत्रक अगर किसी छात्र पर कार्रवाई भी करते हैं तो वह भी इस पर अपडेट किया जाएगा।

सभी करेंगे संचालन

पहले वेबसाइट के संचालन की जिम्मेदारी किसी एक को दी जाती थी। ऐसे में अगर कोई सर्कुलर अपलोड करना है तो उसी व्यक्ति को भेजना होता था। ऐसे में कई बार वेबसाइट पर जानकारी देर से आती थी। लेकिन अब सभी को अलग-अलग लॉग इन दे दिया जाएगा। सभी अधिकारियों के पास एक लॉग इन होगा, जिसके माध्यम से वह खुद ही सर्कुलर वेबसाइट पर अपलोड कर लेंगे। इसके अलावा फैकल्टी लॉगइन के माध्यम से वेबसाइट पर दिए गए कंटेंट में बदलाव भी कर सकेंगी। इससे वेबसाइट हमेशा अपडेट रहेगी।

एक क्लिक पर सामने होगी हर छात्र की कुंडली

कुलपति ने लान्च की विश्वविद्यालय की अपडेट वेबसाइट, सभी पोर्टल का लिंक एक साथ आएगा नजर

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ।

लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अब एक क्लिक से सभी शिक्षकों और छात्रों का पूरा ब्यौरा मिल जाएगा। जरूरत पड़ने पर इसे दुरुस्त भी किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय ने अपनी बदली वेबसाइट बुधवार को लांच कर दी। इसे ऐसे डिजाइन किया गया है कि इससे जुड़े सभी पोर्टल के लिंक एक साथ नजर आएंगे। कुलपति प्रो. एसपी सिंह ने डाटा रिसोर्स सेंटर की ओर से तैयार वेबसाइट का उद्घाटन किया। डाटा रिसोर्स सेंटर के निदेशक प्रो. अनिल मिश्रा ने वेबसाइट की खूबियां बताईं।

बताया कि विवि की वेबसाइट को सरकार की ओर से जारी नए सुरक्षा मानकों के तहत तैयार किया गया है। सभी जरूरी सूचनाओं के साथ इसमें सभी पोर्टल के लिंक दिए गए हैं। इनमें पहला भाग विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए होगा। इस पर वे लॉग इन करेंगे। दूसरा भाग एडमिनिस्ट्रेशन का होगा। विवि के पदाधिकारियों के पास इसे लॉगइन करने का अधिकार होगा। वे इसकी सहायता से किसी भी विद्यार्थी का नाम, पता आदि जान सकेंगे। इस पर विद्यार्थी के खिलाफ हुई अनुशासनात्मक कार्रवाई का ब्यौरा भी होगा। तीसरा भाग फैकल्टी लॉगइन के लिए होगा। इस पर जाकर सभी शिक्षक अपना ब्यौरा और उपलब्धियां अपडेट कर सकते हैं। उन्हें डाटा रिसोर्स सेंटर को इसका ईमेल करना होगा। इसके बाद अपडेट किया डाटा दिखने लगेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय की नई वेबसाइट का बुधवार को शुभारंभ हुआ। अमर उजाला

उपलब्धियों के साथ अनुशासनात्मक कार्रवाई का भी ब्यौरा

डाटा रिसोर्स सेंटर पोर्टल पर विद्यार्थी की उपलब्धियां और अनुशासनात्मक कार्रवाई का ब्यौरा होगा। विवि की प्रॉक्टोरियल टीम एक क्लिक पर पूरी जानकारी हासिल कर सकेगी। वेबसाइट पर प्रॉक्टर या अन्य किसी पदाधिकारियों को लॉगइन करके स्टूडेंट की सूचना जैसे- नाम, क्लास आदि डालने पर पूरा रिकॉर्ड मिल जाएगा। इस तरह से स्टूडेंट्स की पहचान तुरंत हो जाएगी। प्रॉक्टोरियल टीम को कार्यालय खुलने का इंतजार नहीं करना होगा।

दिव्यांग और दृष्टिबाधित भी कर सकेंगे उपयोग

लविवि की वेबसाइट दिव्यांग और दृष्टिबाधितों के उपयोग के लिए आसान होगी। इसके लिए वेबसाइट को खास सॉफ्टवेयर के लैस किया गया है। उपयोगकर्ता एक एप्लीकेशन डाउनलोड करने के बाद सभी सूचनाए सुनकर प्राप्त कर सकेंगे। यह सुविधा अभी तक राजधानी के किसी भी विवि में उपलब्ध नहीं है।

तुरंत अपलोड होंगी सूचनाएं

नई वेबसाइट परसूचनाएं अपलोड करने में समय बर्बाद नहीं होगा। विभागाध्यक्ष या अन्य उपयोगकर्ता खुद लॉगइन करके सूचना अपलोड कर सकते हैं। इसके बाद इसका ई-मेल डाटा रिसोर्स सेंटर के पास भेजेंगे। डाटा रिसोर्स सेंटर उसे अधिकृत कर देगा और समय बर्बाद हुए बिना यह सूचना वेबसाइट पर आ जाएगी।